कछुओं और हार्ड शेल टर्टल का अवैध व्यापार

प्रिलिम्स के लिये:

टर्टल, भारतीय स्टार कछुआ, ओलिव रिडले, ग्रीन टर्टल

मेन्स के लिये:

कछुओं और टर्टल के लिये प्रमुख खतरे, वन्यजीव तस्करी।

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों ?

ओरिक्स, द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज़र्वेशन में प्रकाशित **'फ्रॉम पेट्स टू प्लेट्स'** नामक एक हालिया अध्ययन ने **कछुओं और हार्ड-शेल टर्टल के अवैध व्यापार** के बारे में जानकारी प्रदान की है।

- यह अध्ययन वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन सोसाइटी-इंडिया के काउंटर वाइल्डलाइफ ट्रैफिकिंग प्रोग्राम से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा किया गया था।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

- **चेन्नई ट्रैफिकिंग नेटवर्क में अग्रणी:**
  - **चेन्नई** कछुआ और हार्ड-शेल टर्टल **ट्रैफिकिंग नेटवर्क** में **प्राथमिक नोड के रूप में उभरा** है।
    - यह शहर वैश्विक पालतू पशु व्यापार में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है, जिससे इन सरीसृपों के अवैध व्यापार को सहायता मिलती है।
  - मुंबई, कोलकाता, बंगलुरु, अनंतपुर, आगरा, उत्तर 24 परगना (पश्चिम बंगाल में), और हावड़ा (भारत-बांग्लादेश सीमा के पास) भी इस नेटवर्क के लिये महत्त्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जो कछुओं व टर्टल की तस्करी में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं।
- **मुख्य रूप से घरेलू सॉफ्ट-शैल टर्टल की तस्करी:**
  - सॉफ्ट-शेल टर्टल की तस्करी मुख्य रूप से घरेलू प्रकृति की है। भारत से सॉफ्ट-शेल टर्टल की अंतर्राष्ट्रीय तस्करी ज़्यादातर बांग्लादेश तक ही सीमित है।
- **एशियाई कछुओं पर संकट:**
  - कछुओं और मीठे जल के टर्टलों की वन्य आबादी को **पालतू जानवरों, भोजन एवं दवाओं के अवैध व्यापार** से भारी दबाव का सामना करना पड़ता है।
    - भारत में संकटग्रस्त **कछुए और मीठे जल के टर्टल (TFT) की 30 प्रजातियों में से कम से कम 15 का** अवैध तरीके से व्यापार किया जाता है। मीठे जल की प्रजातियों, जैसे कि **भारतीय फ्लैपशेल टर्टल,** की अवैध बाज़ारों में बहुत माँग है।
      - भारतीय सॉफ्टशेल टर्टल, जिसे **गंगा सॉफ्टशेल टर्टल** भी कहा जाता है, मीठे जल का सरीसृप है जो उत्तरी एवं पूर्वी भारत में **गंगा, सिंधु और महानदी नदियों** में पाया जाता है।
- **तस्करी के नेटवर्क का तुलनात्मक अध्ययन :**
  - अध्ययन में पाया गया कि सॉफ्ट-शेल टर्टल की तस्करी के नेटवर्क की तुलना में कछुए और हार्ड-शेल वाले टर्टलों की तस्करी का नेटवर्क भौगोलिक स्तर पर अधिक व्यापक था तथा ये अंतर्राष्ट्रीय तस्करी से भी संबद्ध थे।
  - कछुए और हार्ड-शेल टर्टल की तस्करी जटिल मार्ग से होती है, जबकि सॉफ्ट-शेल टर्टल की तस्करी में मुख्य रूप से स्रोत से गंतव्य तक एक-दिशात्मक मार्ग का पालन किया जाता है।
- **तस्करी किये गये टर्टल की गंभीर स्थिति:**
  - अवैध व्यापार में शामिल टर्टल प्रायः निर्जलित, भूखे और घायल अवस्था में पाए जाते हैं।
  - तस्करी किये गए टर्टल की उच्च मृत्यु दर इस मुद्दे का समाधान करने की तात्कालिकता को रेखांकित करती है।

कछुए और हार्ड-शेल टर्टल:

- सभी कछुए, टर्टल हैं क्योंकि वे टेस्टुडाइन्स/चेलोनिया वर्ण के हैं।
- कछुओं को **ज़मीन पर रहने के कारण** अन्य टर्टल से अलग किया गया है, जबकि टर्टल की कई (हालाँकि सभी नहीं)**प्रजातियाँ आंशिक रूप से जलीय होती हैं।**
- हार्ड-शेल टर्टल के कवच सख्त और हड्डीदार होते हैं जो इन्हें सुरक्षा प्रदान करते हैं, तथा उन्हें आसानी से दबाया नहीं जा सकता।
- **इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर (IUCN)** के अनुसार कछुओं और टर्टल की अधिकांश प्रजातियाँ असुरक्षित, लुप्तप्राय या गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं।
- **इंडियन स्टार कछुआ**, **ओलिव रिडले कछुआ** और **हरा कछुआ** भारत में कछुओं और हार्ड-शेल टर्टल के कुछ उदाहरण हैं।

सॉफ्टशेल टर्टल:

- सॉफ्टशेल टर्टल **Trionychidae** परिवार में सरीसृपों का एक बड़ा समूह हैं।
- उन्हें सॉफ्टशेल्स कहा जाता है क्योंकि उनके खोलों/कवचों में **कठोर शल्कों का अभाव** होता है, इनके कवच **चमड़े जैसे लचीले** होते हैं।
- वे प्रायः मिट्टी, रेत और उथले जल में रहते हैं।
- भारत में आम तौर पर पाए जाने वाले सॉफ्ट-शेल टर्टल **इंडियन फ्लैपशेल कछुए**, **इंडियन पीकॉक सॉफ्ट-शेल कछुए** और **लिथ्स सॉफ्ट-शेल कछुए** हैं।

विशेषता	**कछुआ (Tortoise- कच्छप)**	**टर्टल (Turtle- कूर्म)**
कवच का आकार	ऊँचे गुम्बदाकार, गोलाकार, भारी कवच वाले	पतले और अधिक सुव्यवस्थित
प्राकृतिक आवास	मुख्यतः स्थलीय (भूमि-निवास)	जल में जीवन के लिये अनुकूलित
आहार	मुख्यतः शाकाहारी	सर्वाहारी या शाकाहारी
अंग	मोटी, स्तम्भाकार टाँगें, पंजे जैसी उंगलियाँ	तरणक-पाद, जालीदार पैर

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/illicit-trade-of-tortoises-and-hard-shell-turtles